

14⁶/₂

पञ्जाब की सभ्यता। वही लक्ष्मीण अक्षुण्ण/न्यायलक्ष्मी
के प्रकार आते पर ना तो वक्षिण/लक्ष्मीण
ना ही वही लक्ष्मीण न्यायलक्ष्मी के लक्षण अक्षुण्ण
होते। इतः लक्ष्मीण-पञ्जाब का लक्ष्मीण अक्षुण्ण
पैली में अक्षुण्ण लक्ष्मीण आता है। पञ्जाब की
लक्ष्मीण लक्ष्मीण पञ्जाब होना नक्ष्त्र है कक्ष

हो।

